राष्ट्रीय संस्करण

देखते हैं कश्मीर में कितने आतंकी भेजेगा पाक, एक भी नहीं बचेगा : राजनाथ

>>3

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 105

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 23 सितंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

कुरीतियों से लड़ते-लड़ते बहुत बड़ी हो गई छोटी सी इशरत

जमुई : बिहार के जमुई की इशरत खातून अभी 11वीं में ही है पर महिलाओं को समान अधिकार दिलाने और कुरीतियों से लड़ते-लड़ते उसका कद उसकी उम्र और शैक्षणिक योग्यता से बहुत बड़ा हो गया है। अब इलाके के लोग इशरत को 'साइकिल वाली दीदी' कहते हैं। (पेज-11)

जागरण विशेष

ग्वालियर में बने वीडियो से पाक में बच्चे सीख रहे एबीसीडी

ग्वालियर : भारत में मूक-बधिर बच्चों के बने वीडियो से पाकिस्तानी बच्चे एबीसीडी सीख रहे हैं। दो मिनट के वीडियो को ग्वालियर की मेघा गुप्ता ने तैयार कर उन बच्चों के लिए यूट्यूब पर अपलोड किया, जो अपनी बात को बयां नहीं कर पाते हैं। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

गुलाम कश्मीर के अस्तित्व के लिए नेहरू जिम्मेदार : शाह

मुंबई : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में चुनावी रैली में कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला गुलाम कश्मीर दरअसल देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की देन है। पाकिस्तान से असमय सीजफायर घोषित करने के चलते ही गुलाम कश्मीर अस्तित्व में आया था।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 7

अलकायदा का वांछित आतंकी जमशेदपुर से गिरफ्तार

जमशेदपुर : झारखंड पुलिस-एटीएस ने जमशेदपुर से अलकायदा के मोस्ट वांटेड आतंकी मुहम्मद कलीमुद्दीन को गिरफ्तार किया है। 2001 से ही अलकायदा से जुड़ा कलीमुद्दीन तिहाड़ जेल में बंद अलकायदा आतंकी अब्दुल रहमान उर्फ कटकी व अब्दुल सामी का मुख्य सहयोगी है।

बिजनेस ▸ पृष्ठ 12

15 फीसद कॉरपोरेट टैक्स की दर स्थायी रहेगी

नई दिल्ली : नई घरेलू कंपनियों के लिए घोषित 15 फीसद कॉरपोरेट टैक्स की दर का कोई सनसेट नहीं होगा। अर्थात इन कंपनियों को लंबी अवधि तक कॉरपोरेट टैक्स की घटी हुई दर का लाभ मिलता रहेगा। संसद की मंजूरी बिना इस दर को बढ़ाना संभव नहीं होगा। इस तरह से सरकार ने भारत में निवेश करने वाली कंपनियों को भरोसा दिला दिया है कि कॉरपोरेट टैक्स की नई दर स्थायी होंगी।

अंतरराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 13

खाड़ी क्षेत्र में असुरक्षा पैदा कर रहीं विदेशी ताकतें : ईरान

तेहरान : ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने रविवार को खाड़ी क्षेत्र में विदेशी सेनाओं की मौजूदगी की आलोचना करते हुए कहा कि वे हमारे लोगों और हमारे क्षेत्र के लिए असुरक्षा का कारण बन रही हैं। रूहानी ने कहा कि ईरान इस हफ्ते संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा का खाका पेश करेगा। यूएन महासभा के अधिवेशन में भाग लेने के लिए रूहानी सोमवार को अमेरिका पहुंच रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र में परवान चढ़ेगी भारत-अमेरिका की दोस्ती

मजबूत हुए रिश्ते

▸ हाउडी मोदी कार्यक्रम में ट्रंप-मोदी की जुगलबंदी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया एलान, दोनों देशों के बीच जल्द होंगे नए रक्षा सौदे

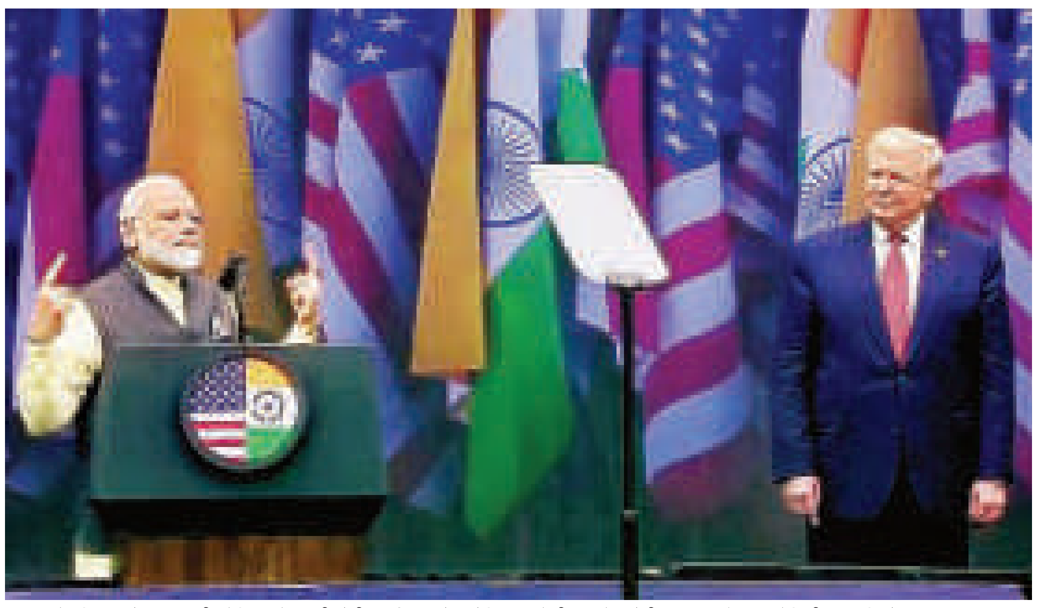

ह्यूस्टन में रविवार को एनआरजी स्टेडियम में हाउडी मोदी कार्यक्रम को संबोधित करते पीएम नरेंद्र मोदी। मंच पर मौजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। एएनआइ

ह्यूस्टन, प्रेट्र : अद्भुत, अकल्पनीय और अद्वितीय। ह्यूस्टन का एनआरजी स्टेडियम जिस उत्सव का साक्षी बना, उसके लिए यही तीन शब्द उपयुक्त जान पड़ते हैं। अमेरिका के टेक्सास प्रांत में सजे मंच पर दुनिया भारत की ताकत का गवाह बन रही थी। मंच अमेरिका का था, लेकिन मेजबानी भारत कर रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हाथ थामकर मंच पर पहुंचे, 50 हजार से ज्यादा लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस दौरान भारत-अमेरिका की दोस्ती को ऊंचाई देते हुए दोनों देशों के बीच नई रक्षा साझेदारी का एलान भी किया।

मोदी के स्वागत संबोधन के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंच संभाला। मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताते हुए उन्होंने धन्यवाद दिया। भारत-अमेरिका संबंधों की गर्माहट उनके भाषण में स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम की भी प्रशंसा की। ट्रंप ने कहा कि मोदी सरकार ने भारत से 30 करोड़ की आबादी को गरीबी रेखा से ऊपर उठने मदद की है। अर्थव्यवस्था को भी सरकार ने गति दी है। इसके बाद ट्रंप ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच नई रक्षा साझेदारी होगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही दोनों देशों के बीच कई अहम रक्षा सौदों को मूर्त रूप दिया जाएगा। पाकिस्तान का नाम लिए बिना अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ शब्दों में कहा कि इस्लामिक आतंकवाद बड़ा खतरा है और भारत-अमेरिका मिलकर इसका सामना करेंगे। दोनों देशों को अपनी सीमाओं की रक्षा करने का अधिकार है। ट्रंप का यह बयान स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के लिए संदेश है, जो कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय मंचों पर झूठी दलीलों से ध्यान आकर्षित करने की कोशिश में लगा है।

इससे पहले मोदी ने सधे हुए मेजबान की तरह ट्रंप का स्वागत किया। मोदी ने कहा, 'आज इस मंच पर हमारे साथ जो हस्ती है, वह किसी पहचान की मोहताज नहीं है।' उन्होंने कहा कि ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर पहुंचने से पहले से ही बड़ा नाम हैं। उन्होंने सीईओ से कमांडर इन चीफ और वार्डरोब से ओवल ऑफिस तक का सफर तय किया है। आज की तारीख में ट्रंप को दुनिया का हर इंसान जानता है। पूरी दुनिया में कहीं भी अगर राजनीतिक चर्चा होती है, तो उसमें निसंदेह ट्रंप की चर्चा जरूर होती है। मोदी ने कहा कि ट्रंप ने अमेरिका के लिए शानदार काम किया है। वह अमेरिका को एक बार फिर से महान बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं और इस दिशा में बहुत कुछ किया भी है। ट्रंप ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है और लगातार इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मोदी ने इस दौरान ट्रंप की सहजता की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मैं अब से पहले भी ट्रंप से मिला हूं। उनसे मुलाकात में हर बार वही गर्मजोशी और अपनापन दिखाई देता है। वह एक सच्चे दोस्त की तरह मिलते हैं।' मोदी ने ट्रंप से अपनी पहली मुलाकात का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'पहली बार जब मैं उनसे मिला था, तब ट्रंप ने कहा था कि व्हाइट हाउस में भारत का एक सच्चा दोस्त है। आज ट्रंप यहां हमारे बीच उपस्थित हैं, तो यह उसी दोस्ती का प्रतीक है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका और भारत के मजबूत संबंधों का उदाहरण भी दिया। ट्रंप की तारीफ करते हुए उन्होंने 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' का नारा भी दिया।

मोदी ने इस तरह दिया परिचय

- आज हमारे बीच एक विशेष अतिथि (ट्रंप) हैं। वह किसी परिचय के मोहताज नहीं। पूरी दुनिया उन्हें जानती है। अमेरिका का सबसे बड़ा पद हासिल करने से पहले ही लोग उन्हें जानते थे। इस ग्रह का हर व्यक्ति उन्हें जानता है।
- सीईओ से लेकर कमांडर इन चीफ तक, स्टूडियो से लेकर वैश्विक स्तर तक, राजनीति से लेकर अर्थव्यवस्था और सुरक्षा तक अमेरिकी राष्ट्रपति ने गहरा असर डाला है।
- राष्ट्रपति ट्रंप, ह्यूस्टन की इस सुबह आप दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों की दोस्ती की धड़कन सुन सकते हैं।
- ह्यूस्टन से लेकर हैदराबाद तक, बोस्टन से बेंगलुरु तक, शिकागो से शिमला तक और लास एंजिलिस से लुधियाना तक लोग ही हमारे रिश्तों के केंद्र में हैं।

ट्रंप ने भी दिखाई गर्मजोशी

- भारत में मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से जो आर्थिक सुधार किए गए हैं वे बेहद अहम हैं। इनकी बदौलत तीस लाख से ज्यादा लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए हैं।
- मोदी को पिछले चुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई। मैं अमेरिका के सबसे महान मित्रों में से एक के साथ यहां खड़े होकर रोमांचित महसूस कर रहा हूं।
- आज अमेरिका-भारत के रिश्ते जिस ऊंचाई पर हैं उतने ऊंचे कभी नहीं रहे। हम अपने साझा संबंधों का जश्न मना रहे हैं।

स्टेडियम में समाया मिनी इंडिया

ह्यूस्टन शहर रविवार शाम मोदी के स्वागत में बेहिसाब स्फूर्ति से भर गया। 'हाउडी मोदी' का साक्षी एनआरजी स्टेडियम 'भारत माता की जय', 'वेल्कम मोदी', 'मोदी-मोदी' के नारों से गूंजता रहा। 50 हजार से अधिक भारतीय अमेरिकियों की भीड़ से भरा स्टेडियम 'मिनी इंडिया' की बानगी था।

ऊर्जा साझेदारी नई ऊंचाई पर

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

- ▸ ह्यूस्टन में पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र की 17 दिग्गज कंपनियों के साथ बैठक
- ▸ अमेरिका के एलएनजी टर्मिनल में 2.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी पेट्रोनेट
- ▸ अगले 40 वर्षों तक सालाना 50 लाख टन एलएनजी की खरीद होगी
- ▸ ईरान से एलएनजी खरीदने की योजना पर फिर सकता है पानी
- ▸ तीन हफ्ते पहले रूसी कंपनी नोवाटेक के साथ एलएनजी में हुआ ऐसा ही समझौता

पिछले वर्ष अक्टूबर में भारत और अमेरिका के रक्षा व विदेश मंत्रियों के बीच हुई 'टू प्लस टू' वार्ता में अमेरिकी पक्ष ने प्रस्ताव रखा था कि वह भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा आपूर्तिकर्ता देश बनना चाहता है। इस दिशा में बड़ा कदम बढ़ाते हुए रविवार को अमेरिका ने अगले 40 वर्षों तक भारत को सालाना 50 लाख टन एलएनजी की आपूर्ति पक्की कर दी। ह्यूस्टन में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों के प्रमुखों के साथ बैठक हुई। इसके बाद भारत में लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) आयात करने वाली सबसे बड़ी कंपनी पेट्रोनेट ने अमेरिकी कंपनी टेलुरिएन के एलएनजी टर्मिनल में 2.5 अरब डॉलर (करीब 17,500 करोड़ रुपये) के निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसी के तहत भारत को अगले 40 वर्षों तक 50 लाख टन सालाना एलएनजी की आपूर्ति होगी।

भारत ने अमेरिका से पिछले वर्ष अप्रैल से एलएनजी आयात करना शुरू किया है। सरकारी कंपनी गेल लिमिटेड सालाना 23 लाख टन एलएनजी का आयात कर रही है। पेट्रोनेट और टेलुरिएन के बीच हुए समझौते के मुताबिक अमेरिका में स्थापित किए जाने वाले एलएनजी टर्मिनल में 20 फीसद इक्विटी भारतीय कंपनी की होगी। यह अमेरिका की सबसे बड़ी एलएनजी परियोजना है। साथ ही यह किसी भी भारतीय कंपनी की तरफ से अमेरिका के ऊर्जा क्षेत्र में किया गया सबसे बड़ा निवेश है।

तीन हफ्ते पहले ही पीएम मोदी की रूस यात्रा के दौरान भी भारतीय कंपनी पेट्रोनेट व एच-एनर्जी और रूस की कंपनी नोवाटेक के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत दोनों कंपनियां एक संयुक्त उपक्रम बनाएंगी, जिसके माध्यम से रूस से भारत समेत कई दूसरे देशों में एलएनजी की आपूर्ति की जाएगी। इस तरह से दुनिया की दो बड़ी ताकतों के साथ भारत ने एलएनजी खरीदने का समझौता कर लिया है जो आने वाले दिनों में इन देशों के साथ द्विपक्षीय कूटनीतिक रिश्तों पर भी असर डालेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि इन देशों के साथ सिर्फ ऊर्जा खरीद का समझौता नहीं किया गया है बल्कि भारतीय कंपनी की तरफ से इनके ऊर्जा बाजार में बड़ा निवेश भी किया जाएगा। अमेरिका के साथ किए गए समझौते का असर यह भी होगा कि ईरान से एलएनजी खरीदने की भारत की योजना ठंडे बस्ते में जा सकती है। अमेरिकी प्रतिबंध की वजह से जब भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद किया था, तभी भी अमेरिका ने कहा था कि वह भारत की ऊर्जा आपूर्ति को पूरा करने की कोशिश करेगा।

अगले कुछ वर्षों में भारत की कुल ऊर्जा जरूरत का 15 फीसद एलएनजी से पूरा किया जाएगा। भारत अभी दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक है और जल्द ही जापान और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा आयातक बन सकता है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय देश के 400 शहरों में पीएनजी देने की योजना पर काम कर रहा है। जबकि पूरे देश में गैस आधारित ट्रांसपोर्ट व्यवस्था अपनाने के लिए एलएनजी की जरूरत होगी।

दोनों देशों को फायदा : विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक दोनों देशों के लिए यह परियोजना फायदे का सौदा है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को गैस आधारित बनाने में मदद मिलेगी और साफ व स्वच्छ ईंधन लंबे समय तक मिल सकेगा। अमेरिकी कंपनी को यह फायदा होगा कि उसे भारत जैसे विशाल ऊर्जा बाजार में सीधे घुसने का मौका मिल जाएगा। दोनों कंपनियां मार्च, 2020 तक इस समझौते को अंतिम रूप देंगी तभी पता चल सकेगा कि किस कीमत पर भारत को एलएनजी मिलेगी।

'हाउडी मोदी' (विशेष) पेज>>5

फ्रांस से और 36 राफेल विमान खरीदेगा भारत

▸ अगले साल की शुरुआत में दिया जाएगा ऑर्डर

लड़ाकू विमान राफेल फाइल फोटो

नई दिल्ली, आइएएनएस : पहले के सौदे को लेकर पैदा हुए विवाद को दरकिनार करते हुए मोदी सरकार ने फ्रांस से और 36 राफेल विमान खरीदने के सौदे को अंतिम रूप दिया है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

शनिवार को प्रकाशित इंडियन डिफेंस रिसर्च विंग की रिपोर्ट के मुताबिक अगले साल के शुरू में नए विमानों के लिए ऑर्डर दे दिया जाएगा। फ्रांस ने पूर्व में हुए 36 राफेल विमानों के सौदे के पहले विमान को हाल ही में भारत को सौंपा था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की फ्रांस यात्रा के दौरान आठ अक्टूबर को इसे आधिकारिक रूप से भारत को सौंपा जाएगा। इस सौदे के बाद भारतीय वायुसेना के बेड़े में राफेल विमानों की संख्या 72 हो जाएगी। राफेल विमान के आने से वायुसेना की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। खासकर बालाकोट एयर स्ट्राइक को देखते हुए, जब भारतीय लड़ाकू विमानों को पाकिस्तान में बहुत अंदर तक जाना पड़ा था।

सूत्रों ने बताया कि भारत के विशाल रक्षा बाजार को देखते हुए अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने भी भारत के सामने लड़ाकू विमान बेचने का प्रस्ताव रखा है, लेकिन अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ। बालाकोट के बाद विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने पाकिस्तान के एफ-16 को मार गिराया था। हालांकि, भारतीय वायुसेना अमेरिकी कंपनी बोइंग से एफ-18 विमान खरीदने पर जरूर विचार कर रही है। दासौ एविएशन और बोइंग की तरफ से भारत के सामने कई लुभावने प्रस्ताव रखे गए हैं। इन दोनों कंपनियों ने कहा है कि उनके साथ लड़ाकू विमान को लेकर सौदा होता है तो वो भारत की पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए लड़ाकू विमान के निर्माण में मदद करेंगे।

वायुसेना ने रूस से भी 21 मिग-29 और 18 सुखोई-30 एमकेआइ विमान खरीदने का फैसला किया है। इसके अलावा सुखोई बेड़े के 272 लड़ाकू विमानों को उन्नत भी कराने का निर्णय किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी की हाल की रूस यात्रा के दौरान इस प्रक्रिया में तेजी आई है।

राजस्थान में अनुसूचित जाति के व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान के झालावाड़ जिले में मोटर पंप चोरी के आरोप में दस लोगों ने मिलकर अनुसूचित जाति के 40 वर्षीय धुलीचंद की पीट-पीट कर हत्या कर दी। थानाध्यक्ष नैनूराम मीणा ने रविवार को बताया कि घटना शनिवार शाम उस समय घटी, जब मेवाखेड़ा गांव निवासी पुरी लाल तंवर और उसके दो बेटों मोहन व देवी सिंह ने गांव के ही धुलीचंद को रास्ते में रोका और मोटर पंप चोरी का आरोप लगाया। धुलीचंद ने इन्कार किया तो बहस हो गई। मामला इतना बढ़ा कि तीनों पिता-पुत्रों ने धुलीचंद की बेरहमी से पिटाई कर दी। साथ ही उसके परिजनों को भी सूचित किया। सूचना पर धुलीचंद के पिता मौके पर पहुंचे और बेटे को अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण पिटाई होना बताया गया है। तीनों पिता-पुत्रों और अन्य सात अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना को अंजाम देने वालों में शामिल अज्ञात लोग भी गांव के बताए गए हैं। पुलिस उनकी पहचान कर रही है।

ढांचा विध्वंस के मामले से पहले राम जन्मभूमि पर फैसला संभव

माला दीक्षित, नई दिल्ली

- ▸ जन्मस्थान पर दीपावली के बाद नवंबर मध्य में आ सकता है फैसला
- ▸ ढांचा विध्वंस मामले में अप्रैल तक सुनवाई पूरी होकर फैसले की उम्मीद

अयोध्या राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक के मुकदमे का फैसला ढांचा विध्वंस के मामले में चल रहे आपराधिक मुकदमे से पहले आ सकता है। चूंकि जमीन पर मालिकाना हक के मुकदमे की सुनवाई 18 अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। इतना ही नहीं सुनवाई कर रही पीठ के अध्यक्ष मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रंजन गोगोई 17 नवंबर को सेवानिवृत हो रहे हैं इसलिए फैसला उनकी सेवानिवृत्ति से पहले ही आएगा। जबकि ढांचा विध्वंस मामले की सुनवाई कर रहे विशेष जज वैसे तो 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं लेकिन उनका कार्यकाल मुकदमे की सुनवाई पूरी होने तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से सुनवाई पूरी होने में छह-सात महीने का और समय लगने की बात कही थी।

इस स्थिति से साफ है कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक के मुकदमे की सुनवाई दीपावली से पहले पूरी हो जाएगी और फैसला दीपावली के बाद नवंबर के मध्य तक आ जाएगा। मामले पर रोजाना सुनवाई कर रही संविधान पीठ ने पिछले सप्ताह सभी पक्षकारों से कहा था कि सब मिलकर कोशिश करें कि सुनवाई 18 अक्टूबर तक पूरी हो जाए। कोर्ट ने यह भी कहा था कि इसके लिए अगर जरूरी हुआ तो कोर्ट एक घंटे ज्यादा सुनवाई कर लेगा या शनिवार को भी सुनवाई की जा सकती है। अभी तक मामले में 28 दिन की सुनवाई पूरी हो चुकी है और 18 अक्टूबर तक कोर्ट के पास 14 कार्यदिवस का समय सुनवाई के लिए बचा है। सुनवाई पूरी होने के बाद फैसले के लिए कोर्ट के पास लगभग एक माह का समय बचेगा।

दूसरी तरफ, अगर छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में हुए ढांचा विध्वंस के मामले में कारसेवकों व नेताओं पर चल रहे आपराधिक मुकदमे की प्रगति पर निगाह डाली जाए तो सुप्रीम कोर्ट ने 19 अप्रैल 2017 को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती सहित भाजपा और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के 14 नेताओं पर अयोध्या में ढांचा ढहाने की साजिश का मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। साथ ही इन नेताओं के खिलाफ रायबरेली की अदालत में चल रहा मुकदमा अयोध्या प्रकरण की सुनवाई कर रही लखनऊ की विशेष अदालत में ट्रांसफर कर दिया था जहां पहले से कारसेवकों पर ढांचा ढहने का मुकदमा लंबित था।

कोर्ट ने विशेष जज को आदेश दिया था कि मुकदमे की रोजाना सुनवाई कर दो साल में फैसला दे दिया जाए। हालांकि उस वक्त मामले में आरोपित राजस्थान के तत्कालीन राज्यपाल कल्याण सिंह को संवैधानिक पद पर होने के कारण छूट मिल गई थी। लेकिन कोर्ट ने साफ किया था कि उनके पद से हटने के बाद उन पर आरोप निर्धारित होंगे और मुकदमा चलेगा। अब कल्याण सिंह राज्यपाल पद से हट गए हैं, ऐसे में विशेष जज ने उन्हें समन जारी कर 27 सितंबर को पेश होने का आदेश दिया है।

सर्वेक्षण

भारतीय भाषाओं में हिंदी बोलचाल में ही नहीं शोध के मामले में भी काफी लोकप्रिय है, उच्च शिक्षण संस्थानों में भारतीय भाषाओं में शोध करने वालों में संस्कृत दूसरे नंबर पर है

हिंदी के बाद संस्कृत सबसे ज्यादा पसंदीदा भाषा

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

- ▸ अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण की रिपोर्ट में सामने आया रुझान
- ▸ विज्ञान में पीएचडी करने वालों की पहली पंसद केमेस्ट्री, फिजिक्स दूसरे नंबर पर

प्रतीकात्मक

भारतीय भाषाओं में हिंदी की लोकप्रियता सिर्फ आम बोल चाल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह शोध करने वालों के बीच भी काफी लोकप्रिय है। यह जानकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में भारतीय भाषाओं में पीएचडी कर रहे छात्रों को लेकर कराए गए सर्वेक्षण में सामने आई है। इनमें हिंदी के बाद संस्कृत दूसरी सबसे लोकप्रिय भाषा है, जिसमें हिंदी के बाद सबसे ज्यादा छात्रों ने पीएचडी के लिए अपना पंजीयन कराया है। वहीं विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी करने वालों की पहली पसंद केमेस्ट्री है, जबकि फिजिक्स दूसरे नंबर पर है।

भारतीय भाषाओं को लेकर यह रुझान मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) की 2018-19 की रिपोर्ट से सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक उच्च शिक्षण संस्थानों में भारतीय भाषाओं में पीएचडी के लिए इस दौरान कुल 8,016 छात्रों ने पंजीयन कराया, जिनमें हिंदी भाषा पर शोध के लिए पंजीयन कराने वाले छात्रों की संख्या 2,396 है। दूसरे नंबर पर संस्कृत भाषा रही है। जिसके लिए 1048 छात्रों ने पंजीयन कराया है। हालांकि हिंदी और संस्कृत भाषा में शोध के लिए पंजीयन कराने वालों की संख्या में दोगुने से ज्यादा का अंदर था। बावजूद इसके आम बोल- चाल में ज्यादा इस्तेमाल न होने के बाद भी संस्कृत की लोकप्रियता बाकी भाषाओं के मुकाबले सबसे ज्यादा है। हालांकि इसके अलावा और भी जिन भारतीय भाषाओं में पीएचडी को लेकर रुझान दिखा है, उनमें तमिल, पंजाबी, बंगाली और कन्नड शामिल हैं।

इसी तरह विज्ञान से जुड़े विषयों में शोध करने वालों में केमेस्ट्री सबसे पसंदीदा क्षेत्र है। रिपोर्ट के मुताबिक विज्ञान से जुड़े विषयों में कुल 44,702 छात्रों ने पीएचडी के लिए पंजीयन कराया था। इनमें अकेले 8,036 छात्रों ने केमेस्ट्री को चुना था। वहीं 5954 छात्रों ने फिजिक्स और 4504 छात्रों ने गणित में पीएचडी के लिए पंजीयन कराया है।

दूरस्थ शिक्षा में दिल्ली अव्वल : दूरस्थ शिक्षा प्रदान करने के मामले में दिल्ली देश में सबसे शीर्ष पर है, जहां वर्ष 2018-19 में 6.42 लाख छात्रों ने पंजीयन कराया है। महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर है, जहां कुल 6.41 लाख छात्रों ने अलग-अलग विषयों में पंजीयन कराया है। तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी बड़ी संख्या में छात्रों ने दूरस्थ शिक्षा में पंजीयन कराया है।

अब आपकी हर गतिविधि पर होगी सरकार की पैनी नजर

नई दिल्ली : अगले साल से आपकी हर गतिविधि पर सरकार की नजर होगी। मसलन आप कितनी बार विदेश जाते-आते हैं, बैंक खाते में कितनी बार लेन-देन करते हैं, कितना टैक्स जमा करते हैं, कितनी बार विमान में उड़ते हैं, इस तरह की आपसे जुड़ी हर जानकारी पर सरकार के पास होगी। यह सब संभव हो सकेगा नेशनल इंटेलीजेंस ग्रिड (नेटग्रिड) के जरिए, जो देश के हर नागरिकके बारे में जानकारी एकत्र करने वाला एक मजबूत खुफिया तंत्र है। (पेज-3)

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में दीपक को रजत और अवारे को कांस्य

कजाखिस्तान : भारतीय पहलवान दीपक पूनिया बायें टखने और दायीं आंख के ऊपर लीग चोट के कारण रविवार को विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 86 किग्रा के फाइनल में खेलने नहीं उतरे और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि राहुल अवारे ने अपने कांस्य पदक मुकाबले को जीतकर इस चैंपियनशिप में पहली बार कोई पदक जीता। इस तरह भारत विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पदकों के मामले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहा। (पेज-14)

अर्जुन अवॉर्डी गौरव गिल के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज

जागरण संवाददाता, जोधपुर

- ▸ चैंपियनशिप आयोजित करने वाली कंपनियों का नाम भी एफआइआर में
- ▸ सरकार ने बाड़मेर के डीएम और एसपी को हटाया, सात दिन में मांगी रिपोर्ट

राजस्थान स्थित बाड़मेर जिले के समदड़ी थाना क्षेत्र में रेसिंग कार की टक्कर से तीन लोगों की मौत के मामले में कार चला रहे अर्जुन अवार्डी गौरव गिल और एक अन्य ड्राइवर एम. शरीफ के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। हादसे में मारे गए दंपती के बड़े बेटे राहुल की शिकायत पर रविवार दोपहर मामला दर्ज हुआ। राहुल ने दावा किया कि उसके माता-पिता बेटे से बात कर रहे थे, तभी गिल की कार ने उन्हें टक्कर मार दी और पीछे से आ रही दो अन्य कारों ने उन्हें कुचल दिया। इसी बीच, राज्य शासन ने घटना को गंभीरता से लेते हुए बाड़मेर कलेक्टर और एसपी को हटा दिया है।

ज्ञात हो, शनिवार को हुए इस हादसे में होतरड़ा गांव निवासी नेमीचंद (45) उनकी पत्नी पुष्पादेवी (40) और पुत्र जितेंद्र (15) की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक नेशनल रैली चैंपियनशिप नामक इस आयोजन में शामिल कंपनियों मैक्सपेरियन, महिंद्रा, जेके टायर्स, एमआरएफ टायर्स और फेडरेशन ऑफ मोटर स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया के नाम भी एफआइआर में हैं। उधर, घटना को लेकर ग्रामीणों में गुस्सा बरकरार है। तीनों के शव अभी भी घटनास्थल पर हैं। ग्रामीण और परिजन मुआवजा, एक परिजन को सरकारी नौकरी और आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। समदड़ी थाना प्रभारी भूटाराम के मुताबिक गतिरोध समाप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीण शनिवार से मांग कर रहे हैं कि आयोजक घटनास्थल पर आएं, लेकिन उनकी ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। उधर, शिकायतकर्ता राहुल का आरोप है कि रैली के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। वहीं, बाड़मेर के एसपी ने दावा किया कि रैली के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए थे।